43 Chapter

भारत में ONOS पहल: अकादमिक पुस्तकालयों की रणनीति और योगदान

Shraddha Kalla[1], Sushila Bisht[2], Seema Kumari[3], Nandan Singh[4]

[1]Librarian, IIHMR University, Jaipur, Rajasthan India
[2]Librarian Bansal Public School, Pratap Nagar, Jaipur, Rajasthan India
[3]Assistant Librarian IIHMR University, Jaipur, Rajasthan India
[4]Assistant Librarian IIHMR University, Jaipur, Rajasthan India

Summary

डिजिटल युग में शैक्षणिक एवं शोध सूचना तक पहुँच किसी भी राष्ट्र की बौद्धिक और वैज्ञानिक प्रगति का आधार बन चुकी है। भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में तीव्र वृद्धि के बावजूद सभी संस्थानों को समान गुणवत्ता वाली विद्वतापूर्ण सूचना तक पहुँच उपलब्ध नहीं है। इसी असमानता को दूर करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा *वन नेशनल वन सब्सक्रिप्शन* पहल की परिकल्पना की गई है। यह पहल राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख शैक्षणिक प्रकाशकों के ई-जर्नल्स और डेटाबेस के लिए एकीकृत सब्सक्रिप्शन मॉडल प्रदान करती है। इस शोध-पत्र में ONOS पहल की अवधारणा, उद्देश्य और ढाँचे का विश्लेषण करते हुए अकादमिक पुस्तकालयों की रणनीतिक भूमिका और योगदान को रेखांकित किया गया है। अध्ययन यह स्पष्ट करता है कि अकादमिक पुस्तकालय न केवल सूचना संसाधनों के प्रदाता हैं, बल्कि नीति कार्यान्वयन, उपयोगकर्ता प्रशिक्षण, तकनीकी समर्थन और सूचना समानता सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही, पेपर में चुनौतियों, भविष्य की संभावनाओं तथा पुस्तकालय-आधारित सिफ़ारिशों पर भी चर्चा की गई है।

Keywords: ONOS, अकादमिक पुस्तकालय, डिजिटल सूचना संसाधन, सूचना समानता, ई-जर्नल्स, भारत

भूमिका

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) के तीव्र विकास ने शैक्षणिक और शोध परिदृश्य को पूर्णतः बदल दिया है। आज उच्च गुणवत्ता वाला शोध मुख्यतः इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स, डेटाबेस, ई-बुक्स और डिजिटल रिपॉजिटरी पर निर्भर करता है। परंतु भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसाधनों की लागत, लाइसेंसिंग नीतियाँ और संस्थागत आर्थिक सीमाएँ सूचना पहुँच में असमानता उत्पन्न करती हैं। अकादमिक पुस्तकालय परंपरागत रूप से ज्ञान के संरक्षक रहे हैं, किंतु डिजिटल युग में उनकी भूमिका सूचना प्रबंधक, प्रशिक्षक और नीति समर्थक के रूप में विस्तृत हो गई है। ONOS पहल इसी परिवर्तनशील भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करती है।

ONOS पहल की अवधारणा और उद्देश्य

वन नेशनल वन सब्सक्रिप्शन (ONOS) पहल का मूल विचार यह है कि देश के सभी सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित उच्च शिक्षण और शोध संस्थानों के लिए विद्वतापूर्ण ई-संसाधनों का **एकीकृत राष्ट्रीय लाइसेंस** उपलब्ध कराया जाए।

प्रमुख उद्देश्य

- शैक्षणिक सूचना तक समान और सार्वभौमिक पहुँच
- संस्थानों पर आर्थिक बोझ में कमी

- शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन
- वैश्विक ज्ञान संसाधनों में भारत की भागीदारी को सुदृढ़ करना

ONOS और मौजूदा कंसोर्टिया

INFLIBNET, e-ShodhSindhu जैसे कंसोर्टिया ONOS की आधारशिला माने जा सकते हैं। ONOS इन पहलों को एक व्यापक राष्ट्रीय ढाँचे में एकीकृत करने का प्रयास करता है।

अकादमिक पुस्तकालयों की रणनीतिक भूमिका

सूचना मध्यस्थ के रूप में पुस्तकालय

ONOS के अंतर्गत उपलब्ध संसाधनों और अंतिम उपयोगकर्ताओं (छात्र, शोधार्थी, संकाय) के बीच पुस्तकालय सेतु का कार्य करते हैं।

संग्रह विकास और उपयोग विश्लेषण

पुस्तकालय:

- उपयोग आँकड़ों का विश्लेषण करते हैं
- विषय-विशेष संसाधनों की पहचान करते हैं
- राष्ट्रीय स्तर पर निर्णय-निर्माण में योगदान देते हैं

सूचना साक्षरता और प्रशिक्षण

ONOS की सफलता उपयोगकर्ताओं की दक्षता पर निर्भर करती है। पुस्तकालय निम्न गतिविधियाँ संचालित करते हैं:

- ई-संसाधन ओरिएंटेशन
- रिसर्च स्किल वर्कशॉप
- प्लेज़रिज़्म और रेफ़रेंस मैनेजमेंट प्रशिक्षण

तकनीकी अवसंरचना में पुस्तकालयों का योगदान

डिजिटल एक्सेस सिस्टम

- IP आधारित प्रमाणीकरण
- रिमोट एक्सेस टूल्स
- डिस्कवरी प्लेटफ़ॉर्म

संस्थागत रिपॉजिटरी और ONOS

पुस्तकालय ONOS संसाधनों को संस्थागत रिपॉजिटरी और ओपन एक्सेस पहलों के साथ एकीकृत करते हैं।

अकादमिक पुस्तकालयों का समग्र योगदान

सूचना समानता की स्थापना

ग्रामीण, नवस्थापित और संसाधन-वंचित संस्थानों को भी उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री उपलब्ध होती है।

शोध गुणवत्ता और उत्पादकता में वृद्धि

बेहतर सूचना पहुँच से:

- अधिक शोध प्रकाशन
- बेहतर संदर्भ गुणवत्ता
- अंतरराष्ट्रीय सहयोग

आर्थिक दक्षता

राष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक लाइसेंसिंग से सार्वजनिक धन का बेहतर उपयोग संभव होता है।

चुनौतियाँ और सीमाएँ

तकनीकी असमानता

सभी संस्थानों में समान नेटवर्क और हार्डवेयर उपलब्ध नहीं हैं।

मानव संसाधन की कमी

डिजिटल लाइसेंसिंग और डेटा एनालिटिक्स में प्रशिक्षित पुस्तकालय पेशेवरों की आवश्यकता है।

उपयोगकर्ता व्यवहार
ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता और नियमित उपयोग अभी भी चुनौती है।

भविष्य की संभावनाएँ और सुझाव
पुस्तकालयों को नीति निर्माण में भागीदारी
अकादमिक पुस्तकालयों को ONOS नीति समितियों में प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए।
क्षमता निर्माण
- नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम
- डिजिटल लाइब्रेरी कौशल विकास

ओपन साइंस के साथ एकीकरण
ONOS को ओपन एक्सेस और ओपन डेटा पहलों से जोड़ना दीर्घकालिक लाभ प्रदान करेगा।

निष्कर्ष
ONOS पहल भारत में शैक्षणिक सूचना पहुँच के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम है। इसकी सफलता केवल सरकारी नीतियों पर नहीं, बल्कि अकादमिक पुस्तकालयों की सक्रिय रणनीतियों और योगदान पर निर्भर करती है। यदि पुस्तकालयों को ज्ञान प्रबंधन के केंद्र में रखा जाए, तो ONOS भारत को एक समावेशी, सशक्त और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी ज्ञान समाज में परिवर्तित कर सकता है।

संदर्भ

1. Naik, G. A., & Naik, R. A. (2025). Evaluating the One Nation One Subscription Initiative: Implications for Access to Scholarly Resources in India. J. Environ. Nanotechnol, 14(2), 202-207.
2. Kalbande, D. (2025). ONOS as a soft power strategy: India's scholarly diplomacy through national access policies. *Library Hi Tech News*.
3. Agarwal, P., & Sharma, S. K. (2024). One Nation, One Subscription Implementation in India: Issues, Opportunities and Challenges for Librarians. *International Journal of Research in Library Science*, *10*(3), 189-199.
4. Chhetri, P. (2024). Transforming Library Services: The Vital Contribution of LIS Professionals in One Nation One Subscription Initiatives. *Journal of Indian Library Association*, *60*(02), 211-220.
5. Mahanand, P. K., & Naik, A. (2025). One Nation One Subscription: The Future of Open Access for Indian Academia. *IJSAT-International Journal on Science and Technology*, *16*(3).
6. Singh, D. K. Evaluating the Impact of One Nation One Subscription (ONOS) on the Usage and Budget Allocation for Subscription-Based E-Journals in an Academic Library: A Questionnaire-based Survey of Finance Perspectives.
7. Koley, M., & Lala, K. (2024). Limitations of the "Indian one nation, one subscription" policy proposal and a way forward. *Journal of Librarianship and Information Science*, *56*(2), 477-489.
8. One Nation One Subscription (ONOS) – About, ONOS.gov.in, accessed 2025